

 *Mahendra's*



UP Police कांस्टेबल / UP लेखपाल



HINDI

संधि



 **3:00 PM**

LIVE 

भाषा ,वर्ण -विचार

संधि ,वर्तनी ,वाक्य-दोष ,विराम चिन्ह ,शब्द विचार

संज्ञा ,सर्वनाम, विशेषण, क्रिया-विशेषण ,कारक

उपसर्ग , प्रत्यय

पर्यायवाची शब्द , विपरीतार्थक शब्द

समास , अलंकार , रस, छन्द

संक्षेपण, सारांश-लेखन

अपठित गद्यांश एवं पद्यांश

संधि

निकटवर्ती वर्णों के परस्पर मेल से उत्पन्न विकार (परिवर्तन) को संधि कहते हैं। वर्णों में संधि करने पर स्वर, व्यंजन अथवा विसर्ग में परिवर्तन आता है। अतः संधि तीन प्रकार की होती है,

क. स्वर संधि

ख. व्यंजन संधि

ग. विसर्ग संधि

स्वर संधि

स्वरों का स्वरों से मेल होने पर जो विकार उत्पन्न होता है वह स्वर संधि कहलाता है। स्वर संधि के पाँच भेद होते हैं ,

1. दीर्घ संधि

2. गुण संधि

3. यण संधि

4. वृद्धि संधि

5. अयादि संधि

1. दीर्घ संधि

जब सजातीय स्वर अ/आ/, इ/ई, उ/ऊ आपस में मिलते हैं तो स्वर दीर्घ हो जाता है। अतः यह दीर्घ स्वर संधि कहलाती है।

विस्तार

मानक देवनागरी वर्णमाला

स्वर - अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	(ऋ)	ए	ऐ	ओ	औ
x	ो	ि	ी				े	ै	ो	ौ

अ + अ = आ

आ + आ = आ

अ + आ = आ

आ + अ = आ

इ + इ = ई
इइ + इइ = इइइ
इइइ + इइ = इइइइ

उ + उ = ऊ

ऊ + ऊ = ऊ

उ + ऊ = ऊ

ऊ + उ = ऊ

ऋ + ऋ = ऋ



अ + अ = आ

1. परम + अर्थ = परमार्थ
2. परम + अणु = परमाणु
3. दीप + अवली = दीपावली
4. शस्त्र + अस्त्र = शस्त्रास्त्र
5. राम + अवतार = रामावतार
6. कुसुम + अवलि = कुसुमावलि
7. पीत + अंबर = पीतांबर

अ + आ = आ

1. देव + आलय = देवालय
2. सत्य + आग्रह = सत्याग्रह
3. आत्म + आहुति = आत्माहुति
4. मकर + आकृति = मकराकृति
5. एक + आसन = एकासन

आ + अ = आ

1. विद्या + अभ्यास = विद्याभ्यास
2. सुषमा + अनुभूति = सुषमानुभूति
3. सीमा + अंकित = सीमांकित
4. रेखा + अंश = रेखांश

आ + आ = आ

1. दया + आनंद = दयानंद
2. महा + आशय = महाशय
3. वार्ता + आलाप वार्तालाप

इ + इ = ई

1. कवि + इंद्र = कवींद्र
2. अभि + इष्ट = अभीष्ट
3. अति + इव = अतीव

इ + ई = ई

1. मुनि ईश्वर = मुनीश्वर
2. हरि + ईश = हरीश
3. अधि + ईश = अधीश

ई + इ = ई

1. नारी + इच्छा = नारीच्छा
2. नारी + इंदु = नारींदु

ई + ई = ई

1. मही + ईश = महीश
2. नारी + ईश्वर = नारीश्वर
3. सती + ईश = सतीश

उ + उ = ऊ

1. साधु + उपकार = साधूपकार
2. सु + उक्ति = सूक्ति

उ + ऊ = ऊ

1. लघु + ऊर्मि = लघूर्मि
2. सिंधु + ऊर्मि = सिंधूर्मि

ऊ + उ = ऊ

1. वधू + उत्सव = वधूत्सव
2. वधू + उल्लेख = वधूल्लेख

ऊ + ऊ = ऊ

- 1 वधू + ऊर्मि = वधूर्मि
- 2 .भू + ऊर्ध्व = भूध्व
3. वधू + ऊर्जा = वधूर्जा

ऋ + ऋ

ऋ ऋ का मेल हिंदी में संधि के अंतर्गत अपवाद होता है। हिंदी में ऋ + ऋ ऋ ही रहता , है, जैसे

1. पितृ + ऋण = पितृण

2.गुण संधि

अ/आ का यह गुण है कि जब अ या आ के पश्चात् इ, ई हो तो 'ए' हो जाता है। अ/आ आ के साथ उ, ऊ हो तो 'ओ' हो जाता है तथा अ आ के पश्चात् ऋ हो तो 'अर्' हो जाता है।

अ + इ = ए

आ + इ = ए

अ + ई = ए

आ + ई = ए

अ + उ = ओ

आ + उ = ओ

अ + ऊ = ओ

आ + ऊ = ओ

अ + ऋ = अर्

आ + ऋ = अर्

अ + इ = ए

सुर + इंद्र = सुरेंद्र

गज + इंद्र = गजेन्द्र

अ + ई = ए

परम + ईश्वर = परमेश्वर

गण + ईश = गणेश

आ + इ = ए

रमा + इंद्र = रमेन्द्र

यथा + इष्ट = यथेष्ट

आ + ई = ए

महा + ईश = महेश

रमा + ईश = रमेश

अ+उ = ओ

पूर्व + उदय = पूर्वोदय

पर + उपकार = परोपकार

अ + ऊ = ओ

जल + ऊर्मि = जलोर्मि

समुद्र+ ऊर्मि = समुद्रोर्मि

आ + उ = ओ

गंगा + उर्मि = गंगोर्मि

महा + उष्ण = महोष्ण

आ + ऊ = ओ

महिला+ऊर्जा = महिलोर्जा

महा +ऊष्मा = महोष्मा

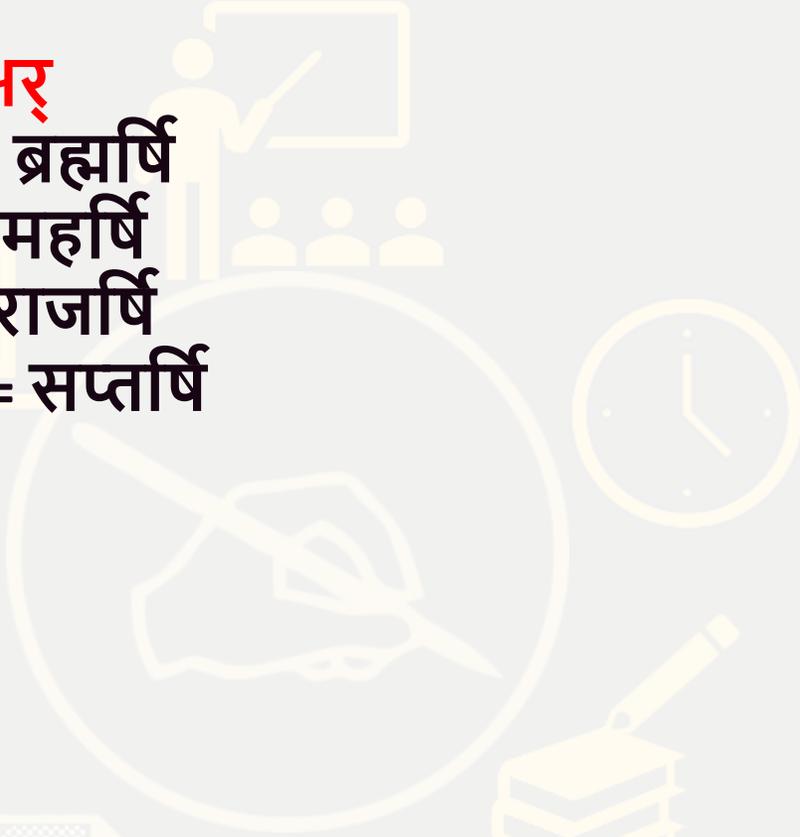
अ/आ + ऋ = अर्

ब्रह्म + ऋषि = ब्रह्मर्षि

महा + ऋषि = महर्षि

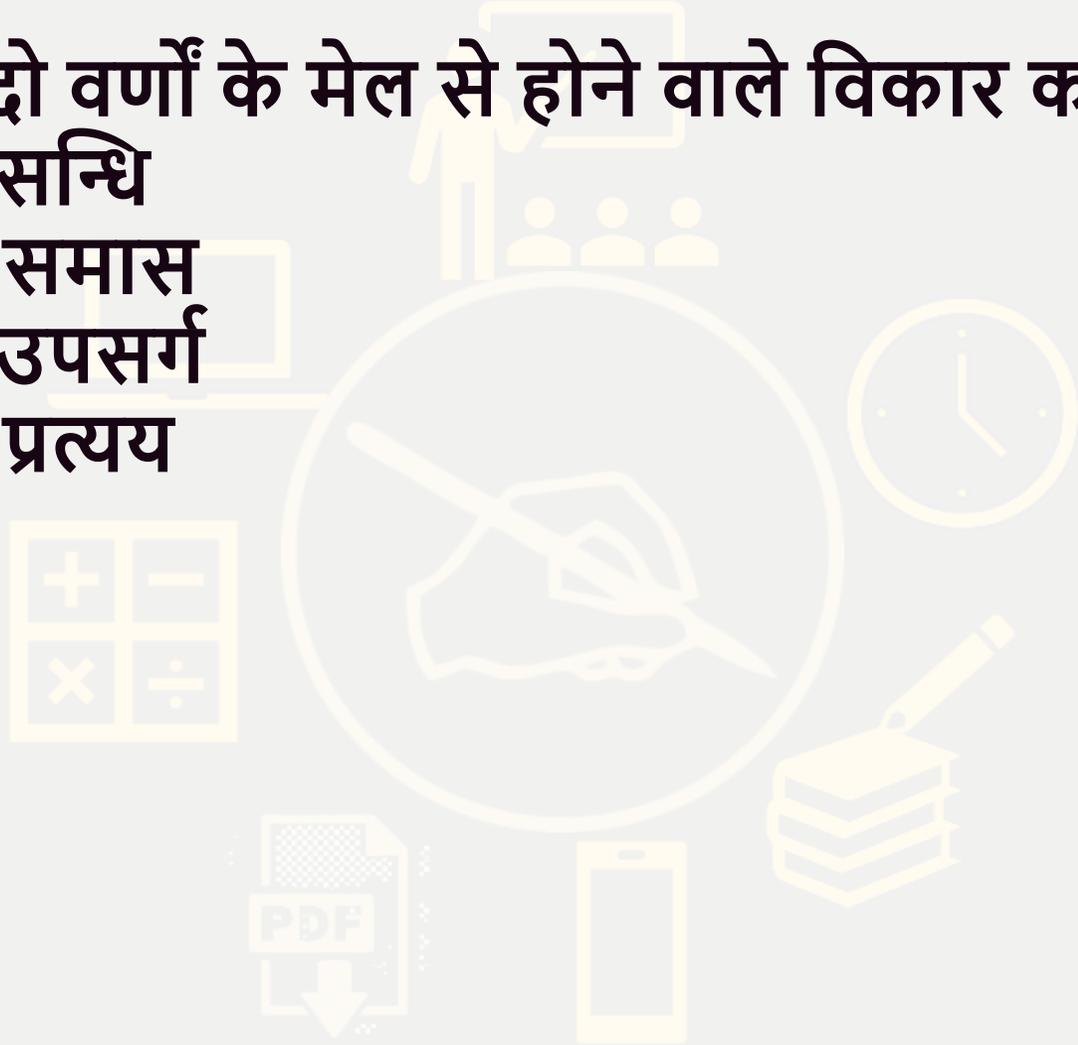
राजा + ऋषि = राजर्षि

सप्त + ऋषि = सप्तर्षि



1. दो वर्णों के मेल से होने वाले विकार को कहते हैं

- (a) सन्धि
- (b) समास
- (c) उपसर्ग
- (d) प्रत्यय



2. सन्धि कितने प्रकार की होती हैं?

- (a) 4
- (b) 2
- (c) 1
- (d) 3



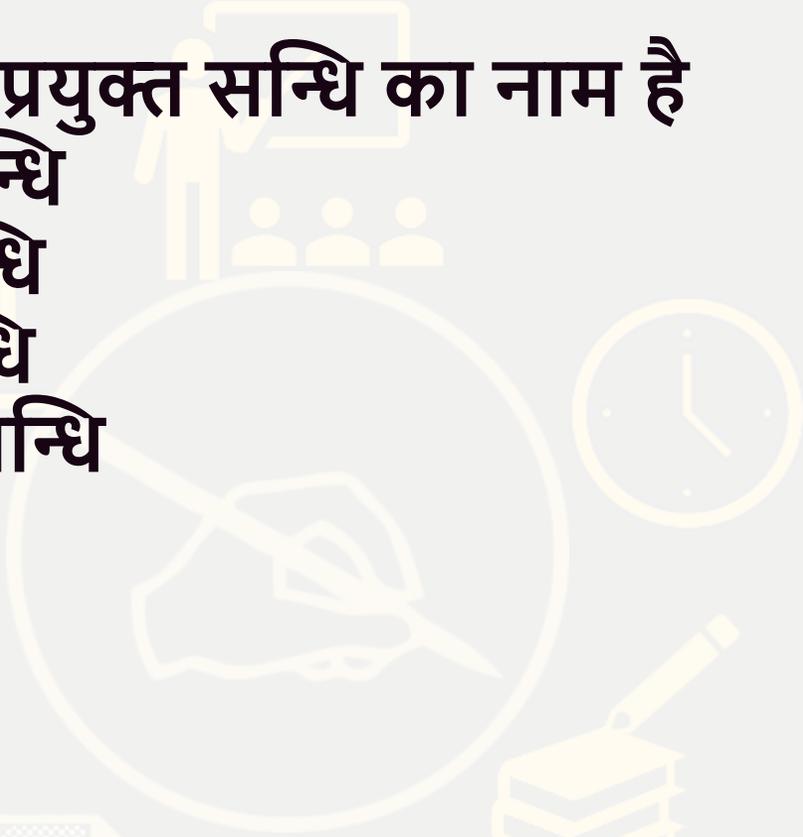
3. दयानन्द में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

- (a) गुण सन्धि
- (b) दीर्घ सन्धि
- (c) व्यंजन सन्धि
- (d) यण् सन्धि



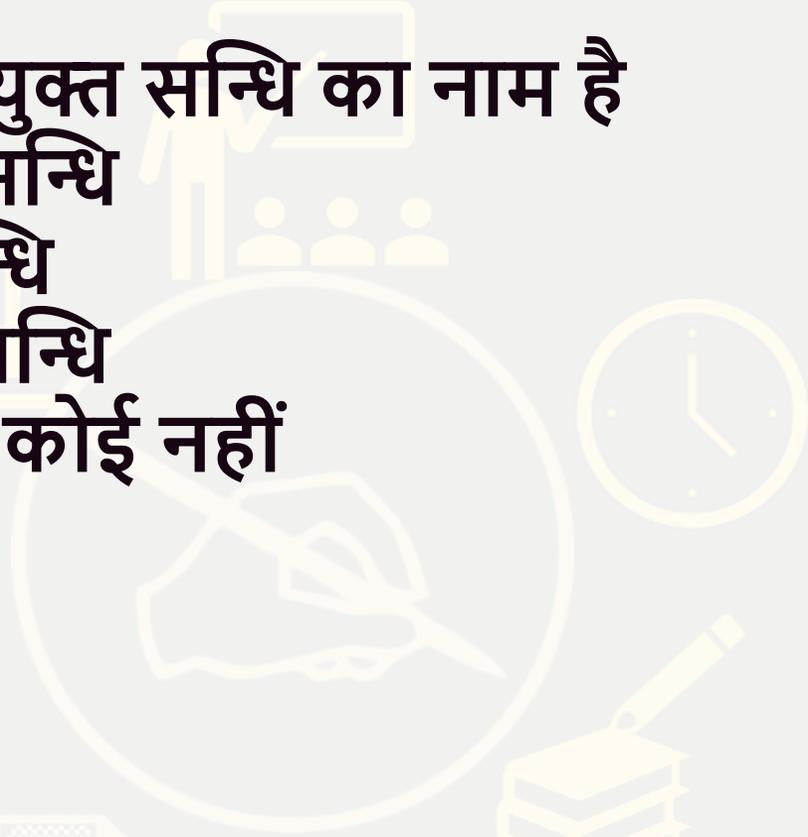
4. कपीश में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

- (a) वृद्धि सन्धि
- (b) दीर्घ सन्धि
- (c) यण् सन्धि
- (d) विसर्ग सन्धि



5. सदैव में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

- (a) व्यंजन सन्धि
- (b) स्वर सन्धि
- (c) विसर्ग सन्धि
- (d) इनमें से कोई नहीं



6. निम्न में से सही विकल्प का चयन कीजिये-

(a) अ + अ = आ

(b) इ + इ = ई

(c) ऋ + ऋ = ॠ

(d) सभी सही हैं

7. शस्त्रास्त्र का संधि विच्छेद होगा -

- (a) शास्त्र + अस्त्र
- (b) शस्त्र + आस्त्र
- (c) शास्त्र + आस्त्र
- (d) शस्त्र + अस्त्र



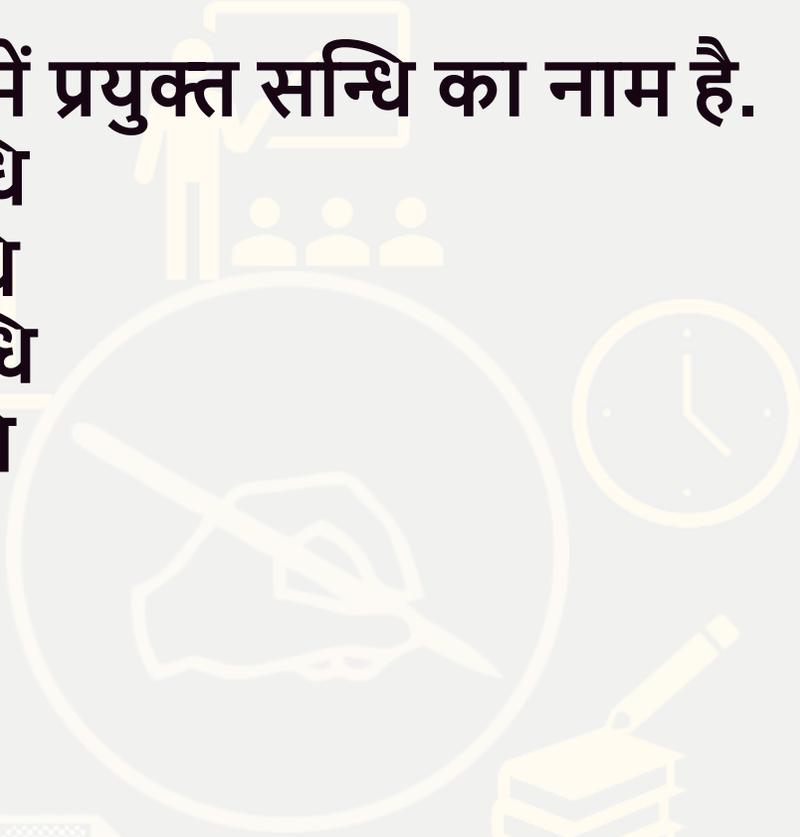
8. अ + अ / इ + इ / उ + उ के मेल से बनने वाली संधि हैं-

- (a) गुण संधि
- (b) वृद्धि संधि
- (c) दीर्घ संधि
- (d) यण संधि



9. सत्याग्रह में प्रयुक्त सन्धि का नाम है.

- (a) दीर्घ सन्धि
- (b) गुण सन्धि
- (c) वृद्धि सन्धि
- (d) यण् सन्धि



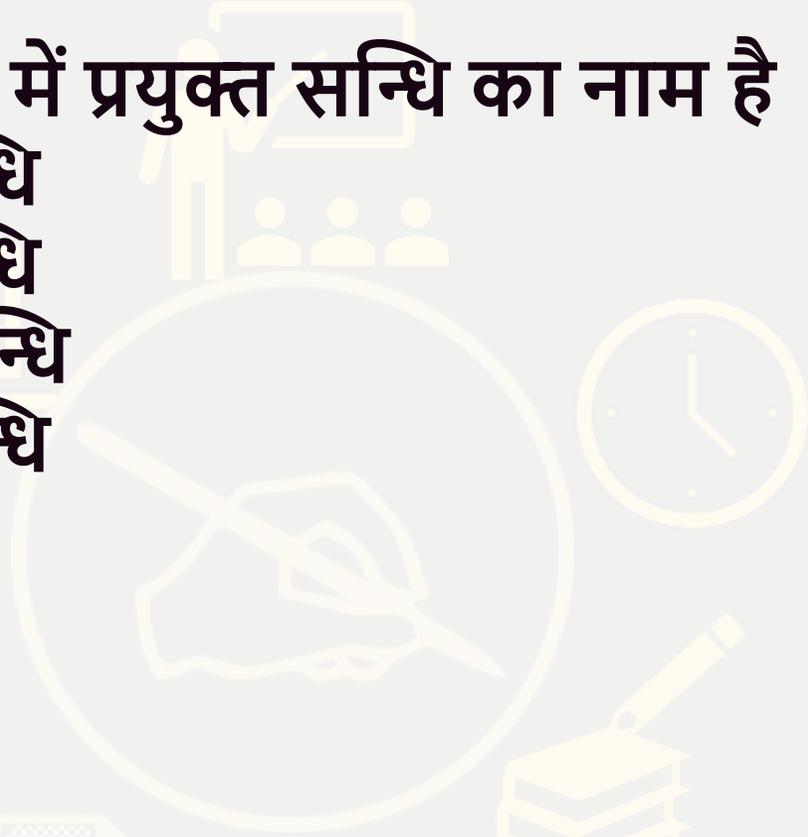
10. दीर्घ सन्धि का उदाहरण नहीं है

- (a) शिवालय
- (b) विद्यालय
- (c) भोजनालय
- (d) यद्यपि



11. चन्द्रोदय में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

- (a) यण् सन्धि
- (b) गुण सन्धि
- (c) वृद्धि सन्धि
- (d) दीर्घ सन्धि



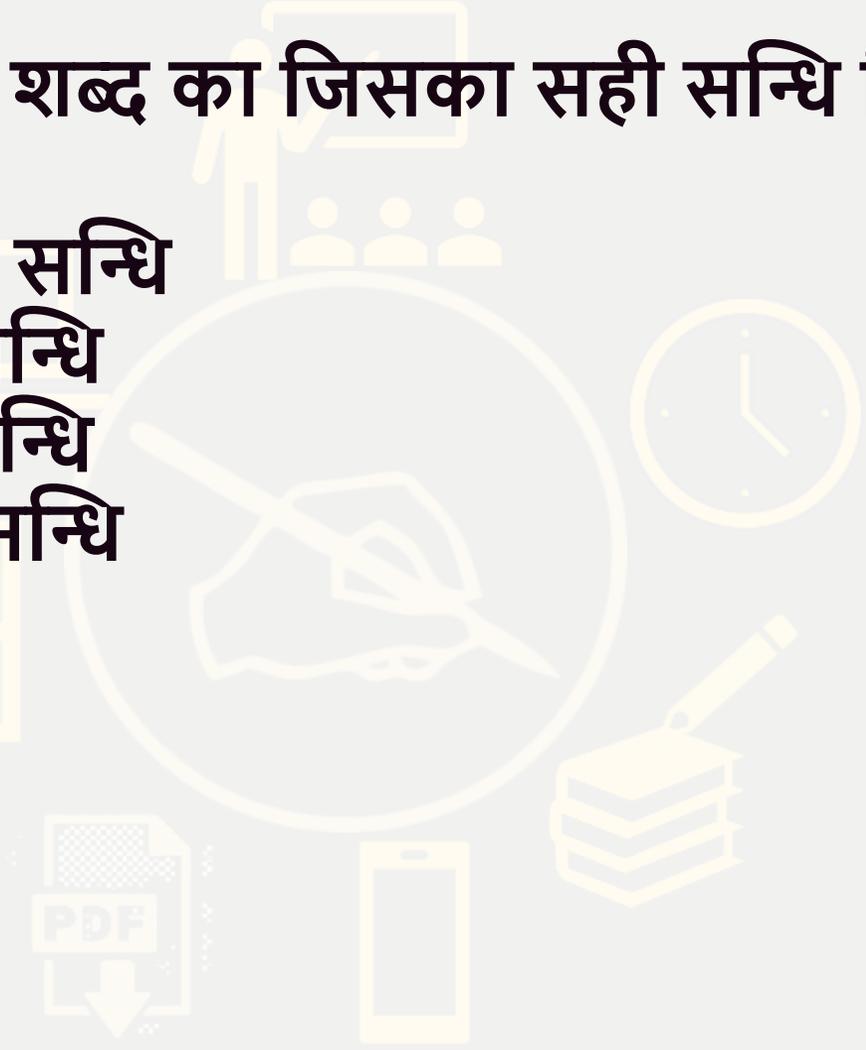
12. भानूदय में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

- (a) व्यंजन सन्धि
- (b) दीर्घ सन्धि
- (c) गुण सन्धि
- (d) वृद्धि सन्धि



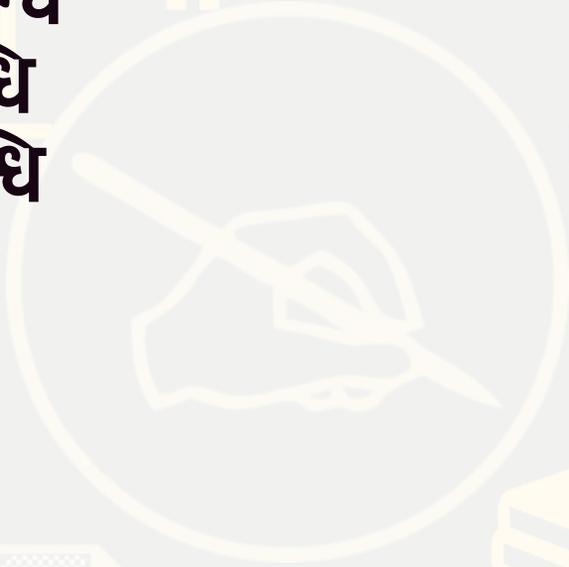
13. पितृण' शब्द का जिसका सही सन्धि विच्छेद है पितृ + ऋण् । इसमें कौन सन्धि है-

- (a) व्यंजन सन्धि
- (b) दीर्घ सन्धि
- (c) गुण सन्धि
- (d) वृद्धि सन्धि



14. सूर्योदय में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

- (a) गुण सन्धि
- (b) वृद्धि सन्धि
- (c) यण सन्धि
- (d) दीर्घ सन्धि



(1)स्वर - ह्रस्व स्वर/लघु स्वर/एकमात्रिक स्वर (4) - अ इ उ ऋ दीर्घ स्वर/गुरु स्वर/द्विमात्रिक स्वर (7) आ ई ऊ ए ऐ ओ औ
अयोगवाह - (2) अं, अः -- अं (अनुस्वार) , अः (विसर्ग)

(2) व्यंजन

क वर्ग - क ख ग घ ङ (कंठ्य) (अ आ अः ह)

च वर्ग - च छ ज झ ञ (तालव्य) (इ ई य श)

ट वर्ग - ट ठ ड ढ ण (मूर्धन्य) (ऋ र ष)

त वर्ग - त थ द ध न (दन्त्य) (ल स)

प वर्ग - प फ ब भ म (ओष्ठ्य) (5 X 5= 25) (उ ऊ)

नासिक्य - ङ ञ ण न म)

कंठ और तालु - ए ऐ

कंठ और ओष्ठ - ओ औ

दन्त और ओष्ठ - व

अंतःस्थ व्यंजन - य, र, ल, व (4 वर्ण)

ऊष्म व्यंजन - श, ष, स, ह (4 वर्ण)

संयुक्त व्यंजन - क्ष, त्र, ज्ञ, श्र (4 वर्ण) (वर्णमाला में व्यंजन का स्थान प्राप्त नहीं हैं)

उच्छिपत व्यंजन -ड़ ढ (2 वर्ण) (वर्णमाला में व्यंजन का स्थान प्राप्त नहीं हैं)

वृद्धि संधि

जब अ, आ के साथ ए, ऐ मिलाया जाए तो ऐ तथा अ, आ के साथ ओ औ मिलाया जाए तो औ हो जाता है।

अ + ए = ऐ
आ + ए = ऐ

अ+ओ = औ
आ+औ = औ

अ/आ + ए/ऐ = ऐ

मत + ऐक्य = मतैक्य

महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य

लोक + एषणा लोकैषण

अ/आ + ओ/औ = औ

परम + ओज = परमौज

महा + औदार्य = महौदार्य

परम + औषधि = परमौषधि

धन्यवाद

